औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए बदलीं नीतियां : पाठक

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर एसोचैम का सेमिनार

सेमिनार में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्मारिका का विमोचन किया। -संवाद

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि राज्य सरकार एमएसएमई इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नीतियों में बदलाव किए गए हैं। वह बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर एसोचैम की ओर से आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेती में कम से कम कीटनाशकों के प्रयोग के लिए मुहिम चलाने की जरूरत है। क्योंकि कीटनाशकों के बेतहाशा प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो गई है और दलहन व तिलहन के उत्पादन में गिरावट आई है।

पाठक ने कहा कि एमएसएमई प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है। प्रदेश में पूर्वांचल, बुंदेलखंड से लेकर मध्य उत्तर प्रदेश में एमएसएमई को आगे बढ़ाने का काम किया है। सरकार ने प्रदेश में कारोबार के लिए अनुकूल माहौल बनाया है। वहीं, अल्पसंख्यक कल्याण एवं हज राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि युवा नौकरी करने के बजाय नौकरी देने की सोच विकसित करें। सरकारी नीतियों के कारण हर जिले में स्टार्टअप और एमएसएमई इकाई शुरू करने के लिए अनुकूल माहौल है।

योजना एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि एमएसएमई यूपी के अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। जब तक एमएसएमई 30 या 40 प्रतिशत की दर से आगे नहीं बढ़ेगा, तब तक हमारी अर्थव्यवस्था प्रगति नहीं कर सकती। एसोचैम उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट काउंसिल के सह अध्यक्ष हसन याकूब ने कहा कि एमएसएमई की वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा न के बराबर है। हमने देखा है कि टेक्नोलॉजी ऐसी चीज है जिसमें हर महीने कोई ना कोई बदलाव होता है। एमएसएमई इसमें असफल हो रहा है। उदाहरण देते हुए कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दौर है, मगर हमारी आईटीआई के बच्चे वर्ष 2018 का पाठ्यक्रम पढ़ रहे हैं जबकि इस वक्त वर्ष 2024 चल रहा है। ब्यूरो